



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 286]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 8, 2004/अग्रहायण 17, 1926

No. 286]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 8, 2004/AGRAHAYANA 17, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 2004

अंतिम जांच परिणाम

(मध्यावधि समीक्षा)

विषय : चीन ताइपेई, हांगकांग और सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित लैड एसिड बैटरियों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच (मध्यावधि समीक्षा)

सं. 15/11/2004-डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

1. नीचे निर्धारित प्रक्रिया अपनाई गयी है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने अधिसूचना सं० 59/1/2001-डीजीएडी दिनांक 31.01.2003 द्वारा अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किया था जिसमें चीन ताइपेई, हांगकांग और सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित लैड एसिड बैटरियों के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की गयी थी।
- (ii) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (यथा संशोधित) और इसके अधीन बनाए गए सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 में प्राधिकारी से समय-समय पर केन्द्र सरकार द्वारा लगाए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क के जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने की अपेक्षा की गयी है। लैड एसिड बैटरियों के आयातकों में से एक मै० बेस कारपोरेशन ने अपने दिनांक 7

अप्रैल, 2004 के पत्र में प्राधिकारी द्वारा जारी अधिसूचना सं० 59/1/2001-डीजीएडी दिनांक 31.1.2003 में की गयी सिफारिशों की बदली हुई परिस्थितियों के कारण समीक्षा शुरू करने का अनुरोध किया गया था ।

- (iii) इन अंतिम जांच परिणामों की समीक्षा करने का निर्णय करके प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 (जिसे एतदपश्चात् पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) के अनुसार चीन ताइपेई, हांगकांग और सिंगापुर (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) से लैड एसिड बैटरियों पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने के लिए अधिसूचना सं० 15/1/2004-डीजीएडी दिनांक 27 अप्रैल, 2004 द्वारा वर्तमान जांच शुरू की । इस समीक्षा में अधिसूचना सं० 59/1/2001-डीजीएडी दिनांक 31.1.2003 के सभी पहलू शामिल हैं ।
- (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति मूल पाटनरोधी जांच में उपलब्ध सूची के अनुसार संबद्ध देशों के दूतावासों, निर्यातकों, आयातकों तथा घरेलू उद्योग को भेजी तथा उनसे इस समीक्षा की जांच की शुरूआत के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचार प्रस्तुत करने का अनुरोध किया ।
- (v) डी जी सी आई एंड एस से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया था ।
- (vi) जांच प्रारंभ संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ व्यापक परिचालन के लिए फिक्की, सी आई आई तथा एसोचैम को भी भेजी गई थीं ।
- (vii) प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल जिसमें विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंश थे, को सभी हितबद्ध पक्षों को उनके अनुरोध पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराया ।
- (viii) प्राधिकारी ने उत्पादन की इष्टतम लागत तथा सामान्यतः स्वीकृत लेखा संबंधी सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं को बनाने तथा बेचने की लागत को परिकलित करने के लिए घरेलू उद्योग की सूचनाओं का सत्यापन किया ।
- (ix) प्राधिकारी ने दिनांक 3 जुलाई, 2004 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षों को उनके विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का एक अवसर दिया । सभी हितबद्ध पक्षों, जो अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत कर रहे थे, से मौखिक रूप से किए गए विचारों को लिखित रूप से प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था । पक्षों को विरोधी पक्षों द्वारा व्यक्त विचारों की प्रतियाँ लेने तथा प्रत्युत्तर यदि कोई हो, देने की सलाह भी दी गयी थी।
- (x) प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रत्युत्तर में तथा सार्वजनिक सुनवाई के पश्चात् विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर नीचे उस सीमा तक संबंधित पैराग्राफों में विचार-विमर्श किया गया है जहाँ तक वे नियमावली के अनुसार प्रासंगिक हैं तथा मामले से संबद्ध हैं । हितबद्ध पक्षों

द्वारा उठाए गए तर्कों की जांच की गयी, उन पर विचार किया गया तथा जहाँ कहीं उपयुक्त था, उन पर संबंधित पैराग्राफों में कार्रवाई की गयी है।

- (xi) उपर्युक्त नियम 16 के अनुसार, इन जांच परिणामों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधारों को ज्ञात हितबद्ध पक्षों को बताया गया तथा इस पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विधिवत् विचार किया गया।
- (xii) इस अधिसूचना में **** का अभिप्राय किसी हितबद्ध पक्ष द्वारा गोपनीय आधार पर मुहैया कराई गई सूचना से है तथा जिसे प्राधिकारी द्वारा नियम के तहत ऐसा ही माना गया है।
- (xiii) जांच, जांच अवधि के लिए दिनांक 1 अप्रैल, 2003 से 31 दिसंबर, 2003 (9 माह) के लिए की गयी थी। हालांकि क्षति विश्लेषण वर्ष अप्रैल 2000-मार्च 2001, अप्रैल 2001-मार्च, 2002, अप्रैल 2002-मार्च, 2003 तथा जांच अवधि के लिए किया गया था।

ख. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तुएं

2. जैसा कि मूल जांच में उल्लेख है, विचाराधीन उत्पाद लैड एसिड बैटरियाँ हैं जो कि सीमा शुल्क अधिनियम के अध्याय 85, उपशीर्ष 8507 के अंतर्गत आता है।

3. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातित उत्पाद की मूलभूत विनिर्माण प्रक्रिया, अनुप्रयोग तथा समूचा उपयोग घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद के समान है। इस जांच की विषय वस्तु आयातित उत्पाद तथा आवेदक द्वारा विनिर्मित उत्पाद के बीच उच्च स्तर की अंतः परिवर्तनशीलता तथा प्रतिस्पर्धा है। संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं में भौतिक विशेषताओं, उत्पादन प्रक्रिया, अंतिम उपयोग में समानताएं हैं।

4. आयातक ने यह तर्क दिया है कि मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद का श्रेणीकरण ऑटोमोटिव, औद्योगिक और मोटर-साइकिल बैटरियों के अंतर्गत किया गया है और इस जांच में प्राधिकारी ने सभी किस्म की बैटरियों के लिए एकल पाटन मार्जिन पर विचार किया है और वही दिया है। आयातक के तर्कों के संदर्भ में यह बात नोट की जाती है कि विचाराधीन उत्पाद लैड एसिड बैटरियाँ हैं। अतः पाटन मार्जिन का निर्धारण इसी के लिए किया गया है। तथापि, अलग-अलग क्षेत्रों के लिए पाटन मार्जिन और विचाराधीन उत्पाद के लिए एकल पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित लैड एसिड बैटरियों को नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है।

ग. घरेलू उद्योग

5. मूल जांच में, पाटनरोधी जांच के लिए घरेलू उद्योग की ओर से मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमि0 तथा मै0 अमारा सजा बैटरीज लि0 द्वारा याचिका दायर की गयी थी। जांच प्रारंभ होने के पश्चात् मै0 अमको बैटरीज ने याचिका का समर्थन किया तथा प्रासंगिक सूचनाएं उपलब्ध कराई। इस मध्यावधि समीक्षा में लागत तथा क्षति संबंधी सूचना मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज लि0 तथा मै0 अमको इंडस्ट्रीज लि0 द्वारा प्रस्तुत की गयी। मै0 अमारा राजा बैटरी द्वारा लागत तथा क्षति संबंधी सूचना समय-सीमा के पश्चात् जमा की गयी थी। किन्तु इसी प्रकार की सूचना दूसरी जांच में इसी उत्पाद के लिए इसी जांच अवधि हेतु प्रस्तुत की गयी है।

6. आयातक ने प्रकटन विवरण की टिप्पणियों में अनुरोध किया है कि मैसर्स अमारा राजा बैटरीज लि० को घरेलू उद्योग का एक हिस्सा नहीं माना जाना चाहिए था क्योंकि लागत निर्धारण/वित्तीय सूचना समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत नहीं की गयी थी और यह सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध नहीं है। प्राधिकारी ने इस जांच में घरेलू उद्योग के एक भाग के रूप में मैसर्स अमारा राजा बैटरीज लि० द्वारा प्रस्तुत सूचना/आंकड़ों पर विचार करना उचित समझा। यह बात नोट की जाती है कि मैसर्स अमारा राजा बैटरीज से संबंधित अगोपनीय सूचना सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध नहीं करायी गयी है। चूँकि मैसर्स अमको बैटरीज लागत निर्धारण एवं क्षति के संबंध में संपूर्ण सूचना प्रस्तुत नहीं की थी इसलिए इसे घरेलू उद्योग का एक हिस्सा मानना उचित नहीं था। इस मध्यावधि समीक्षा जांच में मैसर्स एक्साइड इंडस्ट्रीज लि० और मैसर्स अमारा राजा बैटरीज लि० को पाटनरोधी नियमों के अनुसार घरेलू उद्योग माना है।

7. मैसर्स एक्साइड इंडस्ट्री लि० और मैसर्स अमारा राजा बैटरीज लि० घरेलू उद्योग का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं तथा उनके पास पाटनरोधी नियमावली के प्रावधानों के अनुसार तत्संबंधी आधार है।

घ. अन्य मुद्दे

8. घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि आवेदक ने इस समीक्षा को प्रारंभ करने के लिए पर्याप्त आधार प्रस्तुत नहीं किए हैं। यह समीक्षा सिंगापुर से लैड एसिड बैटरियों के एक आयातक द्वारा प्रस्तुत किए गए केवल एक अभ्यावेदन के आधार पर शुरू की गई थी। आवेदक ने इस समीक्षा की आवश्यकता बताने के लिए कोई सकारात्मक सूचनाएं नहीं दी थी। घरेलू उद्योग ने आगे तर्क दिया कि नियम 23 के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी समय-समय पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे। नियम में यह अपेक्षा की गई है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की सिफारिश करेंगे यदि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि प्राप्त सूचनाओं के आधार पर उक्त शुल्क के जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है। आवेदक मै० बेस कार्पोरेशन लिमिटेड ने यह तर्क दिया कि नियम 23(1) में संदर्भित योग्यता पूर्ति समीक्षा की शुरुआत पर लागू नहीं होती है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियम के अधीन उचित ढंग से समीक्षा की शुरुआत की है।

प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों की जाँच की थी और यह नोट करते हैं कि नियम 23(1) में दो प्रचालनात्मक खण्ड हैं। पहले भाग में यह व्यवस्था है कि प्राधिकारी, समय-समय पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे। दूसरे भाग में यह व्यवस्था है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी यदि वे उन्हें प्राप्त सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट हैं कि ऐसे किसी शुल्क, जिसे वापस लेना या उसमें बदलाव करने की सिफारिश केन्द्र सरकार से की गई हो, को जारी रखने का कोई न्यायोचित आधार नहीं है। चूँकि शुल्क लागू किए जाने की तारीख और लैड एसिड बैटरियों के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क में परिवर्तन करने के बारे में आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना के बाद से पर्याप्त समय बीत गया है। इसलिए इस मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत को उपयुक्त पाया गया था।

9. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि वर्तमान मध्यावधि समीक्षा मै० बेस कार्पोरेशन लि० नामक एक आयातक के अनुरोध पर और निम्नलिखित आधारों पर शुरू की गई है कि क्योंकि पाटनरोधी शुल्क लगभग दो वर्षों से लागू है, अन्य स्रोतों से पाटनरोधी जाँच की मध्यावधि समीक्षा पहले ही शुरू हो गई थी, पहुंच मूल्य घरेलू कीमतों से काफी अधिक हैं और सीमाशुल्क की दरों में पर्याप्त गिरावट आई है। यह नोट किया गया है कि आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना को मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत करने के लिए पर्याप्त समझा गया था।

10. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि कोई व्यक्तिगत आयातक केवल तभी अंतरिम समीक्षा के लिए आग्रह कर सकता है जब यह दर्शाया गया हो कि व्यक्तिगत पाटन एवं क्षति मार्जिन पिछली जाँच के परिणामों की तुलना में कम हुआ है। यह नोट किया गया है कि नियम 2 (ग) (i) के अनुसार आयातक एक हितबद्ध पक्षकार है और इसलिए वह मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत करने के आग्रह कर सकता है।

11. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित जाँच शुरुआत संबंधी सूचना त्रुटिपूर्ण है क्योंकि इसमें पाटनरोधी नियमावली 1995 के नियम 6(1), (i), (iii) और (iv) के अंतर्गत यथापेक्षित आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई थी। आवेदक ने घरेलू उद्योग के इस तर्क का खंडन किया कि प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित सूचना में कोई अप्रुष्ट आधार नहीं है, क्योंकि जाँच शुरुआत अधिसूचना में मूल जाँच परिणामों के पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा शामिल है।

6(1) (i) के संबंध में यह नोट किया गया है कि जाँच शुरुआत अधिसूचना के पहले पैराग्राफ को चौथे पैराग्राफ के साथ पढ़ने पर स्पष्ट रूप से संकेत मिलता है कि यह मध्यावधि समीक्षा दिनांक 02/04/2003 के सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 83/2003 द्वारा लागू किए गए पाटनरोधी शुल्कों से संबंधित है जो चीनी ताइपेई, हांगकांग और सिंगापुर के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित लैड एसिड बैटरियों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच में प्राधिकारी के अंतिम जाँच परिणामों के बाद जारी की गई थी। जैसाकि घरेलू उद्योग द्वारा मुद्दा उठाया गया है जाँच शुरुआत अधिसूचना में इस संबंध में कोई अस्पष्टता नहीं है कि क्या यह जाँच मूल जाँच में शामिल केवल एक देश को कवर करती है या सभी तीन देशों को कवर करती है।

नियम 6(1) (iii) में प्राधिकारी से अपेक्षित है कि वे वह सूचना उपलब्ध कराए जिसके आधार पर आवेदन में पाटन का आरोप लगाया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया है कि आयातक (आवेदक) द्वारा पाटन का कोई आरोप नहीं लगाया गया है। यह नोट किया गया है कि वर्तमान अनुरोध केवल मूल जाँच में उक्त शुल्कों को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने के लिए किया गया है, इसलिए नियम 6(1) (iii) इस जाँच में संगत नियम नहीं है।

घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि नियम 6(1) (iv) में यह अपेक्षित है कि जाँच शुरुआत सूचना में क्षति के आरोप का सारांश दिया जाए। यह नोट किया गया है कि आवेदक द्वारा किया गया अनुरोध केवल मौजूदा शुल्कों की समीक्षा के लिए है जिसमें घरेलू उद्योग द्वारा उठायी गई क्षति की समीक्षा शामिल हो सकती है, अतः इस जाँच में नियम 6(1) (iv) संगत नहीं है।

12. घरेलू उद्योग ने प्रकटन वितरण के उत्तर में यह अनुरोध किया है कि मै0 सीएसबी बैटरी कम्पनी लि. द्वारा दायर की गई अपील माननीय सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष लम्बित है। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि पाटनरोधी नियमावली के उपबंधों के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मध्यावधि समीक्षा करने में माननीय न्यायाधिकरण ने कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है।

घ. पाटन मार्जिन की गणना की पद्धति

13. घरेलू उद्योग ने प्रकटन विवरण के उत्तर में यह अनुरोध किया है कि पाटन मार्जिन के बारे में ब्यौरेवार गणना या सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। यह नोट किया गया है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है क्योंकि किसी भी निर्यातक ने निर्यात कीमत या सामान्य मूल्य के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई

है। निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर किया गया है और सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

चीनी ताइपेई

सामान्य मूल्य

14. मै0 पायलट बैटरी कम्पनी लि0 ने अपूर्ण अनुरोध प्रस्तुत किया है और यह बताया है कि उन्होंने जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है। निर्यातक ने उत्पादन लागत, घरेलू बिक्रियों और पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए अपेक्षित अन्य व्ययों के बारे में सूचना प्रस्तुत नहीं की है। चूँकि चीनी ताइपेई के किसी निर्यातक/उत्पादक ने पूर्णतः सहयोग नहीं किया है इसलिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार चीनी ताइपेई के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन **** अम0डा0/किग्रा0 के रूप में किया गया है।

निर्यात कीमत

15. निर्यात कीमत के अभाव में मै0 पायलट बैटरी कम्पनी के लिए अलग से पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। डीजीसीआई एण्ड एस के आयात आंकड़ों में जाँच अवधि (वार्षिक) के दौरान संबद्ध वस्तु के 12395 नगों का आयात दर्शाया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआई एण्ड एस कोलकाता द्वारा उपलब्ध कराई गई भारत औसत निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना करने के लिए निर्यात कीमत संबंधी समायोजनों पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विचार किया गया है। चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का निर्धारण **** अम0डा0/किग्रा. के रूप में किया गया है।

सिंगापुर

सामान्य मूल्य

16. मै0 सीएसबी बैटरी सिंगापुर प्रा0लि0 ने यह बताया है कि उन्होंने अग्रिम लाइसेंस के तहत मै0 एपीसी कार्पोरेशन को की गई संबद्ध वस्तु की आपूर्ति जिस पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगता है, क्योंकि ये आपूर्तियाँ भारत में वाणिज्य की मुख्य धारा में शामिल नहीं होती हैं, को छोड़कर जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नॉलाजी पार्क (ईएचटीपी) इकाइयों की आपूर्तियाँ अग्रिम लाइसेंस के तहत की गई थी, इसलिए ईओयू या अग्रिम लाइसेंस के तहत की गई ऐसी आपूर्तियों को पाटनरोधी शुल्कों के भुगतान से छूट होती है। उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली में उत्तर नहीं दिया था। चूँकि सिंगापुर से किसी निर्यातक/उत्पादक ने सहयोग नहीं किया है, इसलिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सामान्य मूल्य का परिकलन **** अम0डा0/किग्रा. के रूप में किया गया है।

निर्यात कीमत

17. डीजीसीआई एण्ड एस के आयात संबंधी आंकड़ों में जाँच अवधि (वार्षिक) के दौरान संबद्ध वस्तु के 47492 नगों का आयात दर्शाया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआई एण्ड एस कोलकाता द्वारा उपलब्ध कराई गई भारत औसत निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कीमत समायोजनों पर विचार किया गया है। सिंगापुर से सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का निर्धारण **** अम0डा0/किग्रा0 के रूप में किया गया है।

हांगकाँग**सामान्य मूल्य**

18. मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत के उत्तर में हांगकाँग की सरकार के व्यापार एवं उद्योग विभाग, विशेष प्रशासनिक क्षेत्र ने कहा है कि वर्ष 1999 से लेड एसिड बैटरियों के कोई निर्यात नहीं हुए हैं। इस जांच में किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। चूंकि इस जांच में हांगकाँग के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने सहयोग नहीं दिया है, इसलिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार हांगकाँग के सभी निर्यातक/उत्पादक के लिए सामान्य मूल्य *** अम0डॉ0/कि.ग्रा. परिकल्पित किया गया है।

निर्यात कीमत

19. तथापि, डीजीसीआई एंड एस कोलकाता के आयात संबंधी आंकड़ों के अनुसार यह पाया गया कि जांच अवधि के दौरान हांगकाँग ने लेड एसिड बैटरियों का निर्यात किया था। डीजीसीआई एंड एस कोलकाता द्वारा उपलब्ध कराई गई भारत औसत निर्यात कीमत के आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। हांगकाँग से सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत *** अम0डॉ0/किग्रा. निर्धारित की गई है।

पाटन मार्जिन

20. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने निम्नानुसार पाटन-मार्जिन का निर्धारण किया है :-

देश	निर्यातक/उत्पादक	कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य (अम0डॉ0/किग्रा.)	कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत (अम0डॉ0/किग्रा.)	पाटन मार्जिन (%)
चीनी ताइपेई	सभी निर्यातक/उत्पादक	****	****	नकारात्मक
सिंगापुर	सभी निर्यातक/उत्पादक	****	****	नकारात्मक
हांगकाँग	सभी निर्यातक/उत्पादक	****	****	नकारात्मक

पाटन की जांच से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से वर्तमान में कोई पाटन नहीं हो रहा है। यह भी नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा शून्य है तथा आयातों का पहुँच मूल्य, मूल जांच में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से अधिक है। इस स्थिति से यह संकेत मिलता है कि निकट भविष्य में संबद्ध देशों से पाटन की पुनरावृत्ति की कोई संभावना नहीं है।

ड. क्षति निर्धारण की पद्धति और कारणात्मक संबंध की जांच**क्षति एवं कारणात्मक संबंध:-**

21. घरेलू उद्योग के विचारों को संक्षेप में नीचे दिया गया है:-

- (i) पाटनरोधी शुल्क लगाने के परिणामस्वरूप संबद्ध देशों से आयातों में कमी आयी है। आयातों की मात्रा में पर्याप्त गिरावट का तात्पर्य यह है कि विदेशी उत्पादक पाटन का

आश्रय लिए बिना कोई निर्यात नहीं कर सकते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने से घरेलू उद्योग को पुनः क्षति होगी।

- (ii) घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि हुई है। उत्पादन में वृद्धि (क) देश में हुए पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने, और (ख) देश में उत्पाद की मांग में पर्याप्त वृद्धि होने के कारण हुई है।
- (iii) घरेलू उद्योग ने ऑटोमोबाइल क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र में पर्याप्त वृद्धि होने की प्रत्याशा में अपनी क्षमताओं में बढ़ोतरी की है।
- (iv) बिक्री मात्रा की अपेक्षा अधिक उत्पादन के कारण स्टॉक में वृद्धि हुई है। पाटित आयातों की निरंतर उपलब्धता के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा उत्पादन मात्रा से कम थी।
- (v) घरेलू उद्योग ने अपनी जनशक्ति को सुव्यवस्थित किया है और अपनी उत्पादकता में वृद्धि की है। यद्यपि घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान की गयी कुल मजदूरी में वृद्धि हुई थी तथापि प्रति बैटरी मजदूरी अथवा प्रति किग्रा. बैटरी उत्पादन में गिरावट आई थी। इस प्रकार, घरेलू उद्योग उत्पादन में वृद्धि करके मजदूरी में वृद्धि के प्रभाव को कम कर सका है।
- (vi) संबद्ध देशों से हुए आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से कम रहा। आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है। इस प्रकार बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती जारी रही।
- (vii) पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू उद्योग को अपने लाभों में सुधार करने में मदद मिली है। साथ ही घरेलू उद्योग ने वित्तीय पुनर्गठन किया जिसमें भारत सरकार द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का सहारा लिया गया था। जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के लाभों में वृद्धि हुई है। लाभप्रदता में यह वृद्धि मुख्य रूप से वित्तीय पुनर्गठन और पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण हुई थी।
- (viii) घरेलू उद्योग का नकद प्रवाह कमोबेश स्थिर रहा है। घरेलू उद्योग के नकद प्रभाव में वृद्धि हुई है। इससे घरेलू उद्योग को अपने लाभों में और अधिक सुधार करने में मदद मिली थी। घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण अपने लाभों में वृद्धि कर सका है, निवेशों पर उनके द्वारा अर्जित आय इष्टतम से कम रही है।
- (ix) विदेशी उत्पादकों के पास पर्याप्त क्षमताएं हैं। मूल जांचों को ध्यान में रखते हुए, संगत सूचना पहले ही लेखबद्ध है। इस प्रकार यह सन्निकट है कि आयातों में पर्याप्त वृद्धि होगी, क्या वर्तमान शुल्कों को इस चरण में वापस लिया जाना चाहिए।
- (x) घरेलू उद्योग का यह अनुरोध है कि आयातों से घरेलू उद्योगों की कीमतों में काफी हद तक कटौती हो चुकी है। यदि वर्तमान शुल्कों को समाप्त किया जाता है तो कीमत कटौती में और अधिक वृद्धि होगी जिससे आयातों में और अधिक वृद्धि होने की संभावना रहेगी। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन प्रतिकूल रहा है और इस बात की भी संभावना है कि पाटनरोधी उपायों को लागू किए बिना भारतीय बाजार में संबंधित उत्पाद की काफी मात्रा का काफी कम कीमतों पर पाटन किया जाएगा जिससे घरेलू उद्योग की स्थिति और अधिक खराब हो जाएगी।
- (xi) घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि संबद्ध देशों की विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन क्षमता संबद्ध देशों में मांग से काफी ज्यादा है जिसका तात्पर्य यह है कि यदि संबद्ध देशों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो, निकट भविष्य में खेपों की संख्या बढ़ेगी। यदि विद्यमान उपायों को खत्म किया जाता है तो, इस बात का खतरा

बना रहेगा कि अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता के एक महत्वपूर्ण हिस्से को पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में पाटन हेतु इस्तेमाल किया जाएगा।

- (xii) वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने से भारतीय बाजार में कीमतों में कमी आएगी, क्योंकि घरेलू उद्योग के पास अपने उत्पादन अर्थात् उन बिक्री कीमतों को कम करने की तुलना में अपने बाजार हिस्से को बनाए रखने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है अर्थात् आयातों हेतु बिक्री कीमतों को बेंच मार्क करना होगा। इससे घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में और कमी आएगी।

च.2. निर्यातकों एवं आयातकों के विचार

22. निर्यातकों एवं आयातकों ने निवेदन किया है कि मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज के कार्य निष्पादन से क्षति के सभी कारकों में सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग, संबद्ध देशों के पहुंच मूल्य से काफी कम कीमत पर संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कर रहा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग संबद्ध माल के उत्पादन की लागत में आई वृद्धि को न केवल आत्मसात कर सका है बल्कि उसने विगत वर्ष 2000-2001 में 5.39% लाभप्रदता की तुलना में जांच अवधि के दौरान उसकी बिक्री कीमतों में 13% का उल्लेखनीय लाभ भी अर्जित किया है। हितबद्ध पक्षकारों का निवेदन है कि घरेलू उद्योग को किसी किस्म की कोई क्षति नहीं हो रही है और यदि पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिए जाते हैं तो उसे पुनः क्षति होने की कोई संभावना नहीं है।

23. आगे उन्होंने यह तर्क दिया है कि पाटनरोधी जांच एक समयबद्ध प्रक्रिया है तथा प्रत्येक पार्टी द्वारा समय सीमा के भीतर सूचना प्रस्तुत की जानी आवश्यक है। आगे यह भी नोट किया जा सकता है कि यदि कोई निर्यातक अनुमत समय सीमा के भीतर सूचना प्रस्तुत नहीं कर पाता है, तो उसे असहयोगी माना जाता है जबकि घरेलू उद्योग द्वारा सूचना प्रस्तुत किए जाने के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। 'घरेलू उद्योग' द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी को किसी सार्थक जांच/विश्लेषण तथा इस जांच में किसी उचित परिणाम पर पहुंचने हेतु पर्याप्त तथ्य उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। निवेदन किया जाता है कि चूंकि घरेलू उद्योग स्पष्ट रूप से सहयोग करने में असमर्थ रहा है तथा इस जांच में कोई रूचि नहीं दिखाई है, इसलिए इस आधार पर पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाने चाहिए।

24. मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज ने स्वयं यह कहा है कि उन्होंने केवल अपने प्रचालनों को पुनर्गठित करके ही लाभ कमाया है। इससे इस बात का स्पष्ट पता चलता है कि लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से घरेलू उद्योग को कोई लाभ नहीं हो रहा है तथा घरेलू उद्योग अपने कीमतों को उचित समझी गई कीमत तक, बढ़ाने में असफल रहा है। चूंकि घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमतों को उचित समझी गई कीमत तक बढ़ाने में असफल रहा है तथा उसकी लाभप्रदता उसके प्रचालनों के पुनर्गठन के कारण बनी हुई है और चूंकि घरेलू उद्योग ने यह कहा है कि पाटनरोधी शुल्क क्षति के निवारण हेतु अपर्याप्त है, इसलिए निर्यातकों को नुकसान की स्थिति में नहीं डाला जाना चाहिए तथा पाटनरोधी शुल्कों को तत्काल बंद करके एक न्यायसंगत प्रतिस्पर्धा बहाल किए जाने की आवश्यकता है ताकि निर्यातकों के हित तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के प्रति अन्याय न हो।

25. घरेलू उद्योग, साक्ष्यों द्वारा अपने दावों को साबित करने में असफल रहा है तथा केवल इस प्रकार के कथन दिए हैं जैसे (i) संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि होगी, (ii) कीमत कटौती में वृद्धि होगी, (iii) संबद्ध देशों में अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध है, इत्यादि।

**च. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच
क्षति का संचयी मूल्यांकन:**

26. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iii) के अनुसार उन मामलों में जहाँ एक से अधिक देशों से उत्पाद के आयातों के लिए पाटनरोधी जांच की जा रही हो, प्राधिकारी द्वारा सिर्फ तब ऐसे आयातों का संचयी मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित होता है जब कि उसके द्वारा यह निर्धारित किया जाता है कि (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के % के रूप में अभिव्यक्त 2% से अधिक हो और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3% हो और (ख) आयातित मद वस्तु तथा उसके समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित हो। प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध देशों के संबंध में पाटन मार्जिन ऋणात्मक है। इन संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा, कुल मात्रा का 3.02% है।

27. सूचना की जांच करने पर यह पता चलता है कि विभिन्न स्रोतों से आने वाली संबद्ध वस्तु की कीमतें लगभग तुलनीय हैं और उनमें अत्यधिक अंतर नहीं है। इनका आयात एक ही टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है। आयातित उत्पाद तथा घरेलू उत्पाद के लिए प्रयोक्ता उद्योग एक ही है। आयातों के चैनल तथा वितरक भी एक ही पाए गए हैं। चूँकि संबद्ध देशों से पाटन का मार्जिन ऋणात्मक है इसलिए प्राधिकारी द्वारा घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु पर संबद्ध वस्तु के आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उचित नहीं समझा गया है। तथापि घरेलू उद्योग के क्षति मानदंडों तथा निष्पादन की जाँच कर ली गई है।

28. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में निर्धारित क्षति के निर्धारण के सिद्धांतों में यह निर्धारित किया गया है कि:

"क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की उद्देश्यात्मक जांच शामिल होगी।"

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के बारे में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में यह उल्लेख किया गया है:

* संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्रियों, लाभों, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेशों पर आय अथवा क्षमता उपयोगिता में वास्तविक एवं संभावी गिरावट, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावी नकारात्मक प्रभाव, माल सूची, रोजगार मजदूरी वृद्धि, पूंजी निवेश एकत्र करने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों समेत सभी संगत आर्थिक कारक एवं संकेतक शामिल होंगे जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है * ।

पाटित आयातों की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

29. जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से हुए आयातों में समग्र रूप से गिरावट आई है। संबद्ध देशों से हुए आयातों में बाजार हिस्से के अनुसार, इस जांच में संबद्ध देशों का हिस्सा वर्ष 2000-2001 के दौरान 30.65% से घटकर जांच अवधि में 3.02% हो गया था जो जांच अवधि के दौरान पाटित कीमतों पर आ रहा था और इससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही थी। चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य, जापान एवं बांग्लादेश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित लेड एसिड बैटरियों के आयातों से संबंधित एक दूसरी जांच की मध्यावधि समीक्षा समाप्त हो गई है जिसकी जांच अवधि भी समान है। इन देशों से हुए आयातों का बाजार हिस्सा वर्ष 2000-2001 के दौरान विद्यमान 59.62% से जांच अवधि के दौरान घटकर 41.85% हो गया था।

	2000-2001		2001-2002		2002-2003		जांच अवधि (वर्षिकीकृत)	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
	नग	रु./लाख	नग	रु./मूल्य	नग	रु./मूल्य	नग	रु./मूल्य
चीनी ताइपेई	606559	1893.26	704986	2767.91	58218	248.18	12395	80.72
सिंगापुर	253371	707.47	6410	104.59	136828	384.95	47492	222.39
हॉंगकॉंग	193100	247.98	57996	44.89	104059	231.24	38824	35.61
संबद्ध देश	1053030	2848.71	769392	2917.39	299105	884.37	98511	338.72
अन्य जांच में संबद्ध देश	2051156	5012.55	1733000	4083.52	2134905	5985.99	1365059	3939.47
अन्य देश	336477	991.66	285226	1302.61	460111	2507.23	1797973	5861.03
आयात में बाजार हिस्सा (%)								
संबद्ध देश	30.61	32.18	27.60	35.13	10.33	9.24	3.02	3.34
अन्य जांच में संबद्ध देश	59.62	56.62	62.17	49.18	73.77	63.97	41.85	38.86
अन्य देश	9.78	11.20	10.23	15.69	15.90	26.79	55.13	57.81

विक्रियों में वास्तविक और संभावित कमी

30. घरेलू उद्योग की बिक्रियाँ आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 7,660,033 नग से बढ़कर 12,854,661 नग हो गई हैं। घरेलू उद्योग की बिक्रियों में मात्रा की दृष्टि से 67.81% और मूल्य की दृष्टि से 21.60% बढ़ोतरी हुई है। बिक्री मात्रा और बिक्री मूल्य दोनों में स्थिर वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

बिक्री	इकाई	2000-2001	2001-2002	2002-2003	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
मात्रा					
एक्साइड इंडस्ट्रीज	नग	7,281,880	7,661,878	9,303,057	11969135
अमारा राजा	नग	378,153	580,369	709,957	885527
योग	नग	7,660,033	8,242,247	10,013,014	12,854,661
सूचीकृत					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	105.22	127.76	164.37
अमारा राजा		100.00	153.47	187.74	234.17
योग		100.00	107.60	130.72	167.81
सूचीकृत					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	101.08	112.72	121.31
अमारा राजा		100.00	120.54	127.63	123.43
योग		100.00	103.79	114.79	121.60

उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

31. घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमता में वर्ष 2000-2001 से जांच अवधि के दौरान 49.48% की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के दोनों घटकों ने अपनी स्थापित क्षमता में वृद्धि की है। घरेलू उद्योग के उत्पादन में भी इसी अवधि के दौरान 62.33% की बढ़ोतरी हुई है। जहां तक क्षमता उपयोग का संबंध है, घरेलू उद्योग आधार वर्ष की 80.61% की तुलना में जांच अवधि के दौरान 97.54% की सीमा तक अपनी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम रहा है।

	इकाई	2000-2001	2001-2002	2002-2003	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
स्थापित क्षमता					
एक्साइड	नग	8,845,115	9,376,714	10,494,928	12955772

इंडस्ट्रीज					
अमारा राजा	नग	575,000	725,000	1,125,000	1125000
योग	नग	9,420,115	10,101,714	11,619,928	14,080,772
सूचीकृत					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	106.01	118.65	146.47
अमारा राजा		100.00	126.09	195.65	195.65
योग		100.00	107.24	123.35	149.48
उत्पादन					
एक्साइड इंडस्ट्रीज	नग	7,210,882	7,639,999	9,645,858	11444841
अमारा राजा	नग	382,774	604,949	735,754	881649
योग	नग	7,593,656	8,244,948	10,381,612	12,326,491
सूचीकृत					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	105.95	133.77	158.72
अमारा राजा		100.00	158.04	192.22	230.33
योग		100.00	108.58	136.71	162.33
क्षमता उपयोग					
एक्साइड इंडस्ट्रीज	%	81.52	81.48	91.91	88.34
अमारा राजा	%	66.57	83.44	65.40	78.37
योग	%	80.61	81.62	89.34	87.54

वृद्धि

32. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 67.81% की बढ़ोतरी हुई। इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में 62.33% की वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में गिरावट ऐसी स्थिति में आई है जब घरेलू मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

बिक्री	इकाई	2000-2001	2001-2002	2002-2003	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
मात्रा					
एक्साइड इंडस्ट्रीज	नग	7,281,880	7,661,878	9,303,057	11969135
अमारा राजा	नग	378,153	580,369	709,957	885527
योग	नग	7,660,033	8,242,247	10,013,014	12,854,661
सूचीकृत					

एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	105.22	127.76	164.37
अमारा राजा		100.00	153.47	187.74	234.17
योग		100.00	107.60	130.72	167.81
सूचीकृत					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	101.08	112.72	121.31
अमारा राजा		100.00	120.54	127.63	123.43
योग		100.00	103.79	114.79	121.60
सूचीकृत					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	91.17	119.72	128.34
अमारा राजा		100.00	105.57	50.34	(1.40)
योग		100.00	94.02	106.00	101.49

कीमत कटौती

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों का पहुँच मूल्य संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से अधिक है और इस प्रकार इससे घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती नहीं होती है। जाँच अवधि के दौरान कीमत कटौती का मार्जिन -35% से -115% के बीच में था।

कम कीमत पर बिक्री

34. कम कीमत पर बिक्री क्षति के आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है, कम कीमत पर बिक्री के स्तर की गणना करने के लिए एक क्षतिरहित कीमत परिकल्पित की गई है और इसकी पहुँच मूल्य से तुलना की गई है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उत्पादकों के लिए क्षतिरहित कीमत का मूल्यांकन विचाराधीन उत्पाद के लिए उत्पादन लागत पर उचित रूप से विचार करके किया गया है। इसके अलावा अदक्षताओं को दूर करने के लिए प्राधिकारी ने क्षमता उपयोग को मानकीकृत किया है।

35. विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का भारित औसत पहुँच मूल्य, घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत से अधिक है। जाँच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री का मार्जिन -39% से -112% के बीच में था।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

36. प्राधिकारी ने नोट किया कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें कच्चे माल की लागत तथा विभिन्न देशों से संबद्ध वस्तु की कीमतों से जुड़ी हुई हैं। घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादकता बढ़ाई है और पहुँच मूल्य घरेलू बिक्री कीमतों से अधिक है। यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से आयातों के कारण बिक्री कीमत का ह्रास नहीं हुआ है।

पाटन मार्जिन की मात्रा

37. यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन मार्जिन की मात्रा ऋणात्मक है।

गैरबाई हुई संविदाओं के साक्ष्य

38. घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात के कारण संविदा अथवा ऑर्डरों को गैरवाने के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया।

मालसूची

39. ये देखा गया है कि घरेलू उद्योग की मालसूची में जांच अवधि के दौरान समग्र संख्या और मूल्य में वृद्धि हुई है। तथापि, महीने की बिक्रियों, मात्रा और मूल्य की दृष्टि से यह आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगभग स्थिर रही है।

बिक्री	इकाई	2000-2001	2001-2002	2002-2003	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
मात्रा					
एक्साइड इंडस्ट्रीज	नग	413,959	377,599	720,400	588,667
अमारा राजा	नग	8,858	33,438	59,235	71190
योग	नग	422,817	411,037	779,635	588,667
सूचीकृत					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	91.22	174.03	142.20
अमारा राजा		100.00	377.49	668.72	803.68
योग		100.00	97.21	184.39	156.06
सूचीकृत					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	115.91	126.08	110.74
अमारा राजा		100.00	383.58	664.05	515.62
योग		100.00	122.35	139.03	120.49
सूचीकृत					
मासिक बिक्री की मात्रा के रूप में					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		0.682	0.591	0.929	0.590
अमारा राजा		0.281	0.691	1.001	0.965
योग		0.662	0.598	0.934	0.616

निवेश पर आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

40. मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज जिसका घरेलू उद्योग में बड़ा हिस्सा बनता है, अपनी लाभप्रदता को लगातार बढ़ा रही है और जांच अवधि के दौरान उसने पिछले 10 वर्षों में अपने निष्पादन के सर्वोत्तम स्तर को प्राप्त किया है। कंपनी ने आधार वर्ष के दौरान 13.82 प्रतिशत की तुलना में जांच अवधि के दौरान

लगायी गयी पूंजी पर लगभग 20.41 प्रतिशत की आय हासिल की है। मै0 अमारा राजा ने मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज की तुलना में अलग प्रवृत्ति दर्शायी है। मै0 अमारा राजा ने आधार वर्ष के दौरान 15.37 प्रतिशत की आर ओ सी ई की तुलना में जांच अवधि के दौरान नकारात्मक आर ओ सी ई प्राप्त की है। उत्पादन और बिक्री में वृद्धि के बावजूद अमारा राजा की लाभप्रदता में गिरावट मुख्यतः निम्न कारणों से आई है। जैसा कि वर्ष 2003-04 के लिए उनकी वार्षिक रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है जो जांच अवधि को कवर करती है।

(i) कंपनी ने टेलीकॉम बैटरियों के क्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना किया और इस वर्ष में प्राप्तियों में अभूतपूर्व स्तर तक गिरावट हुई - ऐसे स्तर जिनसे किसी अन्य कंपनी को भी गंभीर परेशानियां हो सकती हैं। कार्यनीति के अनुरूप हमने अलाभकारी व्यवसाय से बाहर रहने का निर्णय लिया और उपभोक्ता संबंधों, उपभोक्ताओं की संतुष्टि और अच्छी गुणवत्ता की बैटरियों पर ध्यान केन्द्रित किया - जिनसे हमें दीर्घावधि में लाभ होना चाहिए।

(ii) स्वचालित बैटरियों की मात्रा में निरंतर वृद्धि हुई। हम अपने ओ ई तथा निजी लेबल संबंधों को सुदृढ़ करने में सफल रहे हैं। हम अपने बाजारोत्तर नेटवर्क को सुदृढ़ कर रहे हैं और आधारभूत संवर्धनों को स्वीमों, जिससे अंतिम प्रयोक्ता से निकट संपर्क स्थापित होगा, से हमारे चैनल भागीदारों के प्रयासों को पूरा कर रहे हैं।

(iii) पिछले वर्ष की तुलना में हमारे निर्यात राजस्व में 147 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हमने नए बाजारों की खोज में और नए संबंध स्थापित करने में निवेश करना जारी रखा है। हम आगामी वर्षों में कंपनी के प्रयासों का फल मिलने की आशा करते हैं।

41. यह देखा गया है कि कंपनी द्वारा टेलीकॉम क्षेत्र को अत्यधिक मात्रा में औद्योगिक बैटरियों की बिक्री की जा रही थी। जांच अवधि के दौरान टेलीकॉम उद्योग में बैटरियों की मांग में कमी हुई है और इस अवधि में बैटरियों की कीमत में गिरावट आई जो कि बैटरी उद्योग की अत्यधिक क्षमता के कारण बढतर हो गयी थी। कंपनी द्वारा अपनी वार्षिक रिपोर्ट में आगे यह स्पष्ट किया गया है कि कम मात्रा के साथ-साथ प्राप्तियों में कमी से बिक्री एवं लाभप्रदता दोनों पर प्रभाव पड़ा। सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा यह कहा गया था कि टेलीकॉम क्षेत्र के लिए बैटरियों का आयात नहीं किया गया था। तदनुसार यह नहीं कहा जा सकता कि अन्य घटकों के विपरीत घरेलू उद्योग के घटकों में से एक की लाभप्रदता में आई गिरावट संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण है।

42. आगे यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान मै0 अमारा राजा ने ऑटोमोटिव ओ ई खण्ड में अपने बाजार में वृद्धि की है। इससे कंपनी की लाभप्रदता में और कमी हुई है क्योंकि कंपनी को ओ ई खण्ड में घाटा हो रहा है। सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा यह स्पष्ट किया गया था कि आयातित लैड एसिड बैटरियों का प्रयोग ओ ई खण्ड में नहीं किया जा रहा है।

निवेश पर आय	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
लगाई गई पूंजी पर आय					
एक्साइड इंडस्ट्रीज	%	13.82	13.56	18.84	20.46
अमारा राजा	%	15.37	16.56	6.91	(0.18)
योग	%	14.10	14.13	16.21	15.56

लाभप्रदत्ता

43. मात्रा तथा मूल्य दोनों में उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि के अनुरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार प्रदर्शित हुआ है। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के एक संघटक की लाभप्रदता में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हुई है वहीं दूसरे की लाभप्रदता में गिरावट आई है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप गिरावट पर विचार करते हुए यह स्पष्ट है कि यह गिरावट पाटन के कारण नहीं है बल्कि अन्य कारणों से है, विशेष रूप से तब जब कि एक संघटक ने उसी अवधि के दौरान सर्वोत्तम निष्पादन किया है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि इस जांच में लाभप्रदता की खण्डवार जांच नहीं की गयी है। यह नोट किया जाता है कि इस जांच में विचाराधीन उत्पाद लैड एसिड बैटरी है और घरेलू उद्योग को हुई क्षति की प्रवृत्ति का विश्लेषण इसी के संदर्भ में किया गया है।

प्रति शेयर आय

44. घरेलू बाजार में बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग के दोनों संघटक लगातार अपनी क्षमताओं में सुधार कर रहे हैं। मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज द्वारा यह दावा किया गया है कि उन्हें बाजार से रकम उगाहने में कठिनाई हो रही है। तथापि, इस तथ्य को न्यायोचित ठहराने के लिए कोई ठोस साक्ष्य प्राधिकारी के समक्ष नहीं रखा गया है। दोनों कंपनियों द्वारा अच्छा नकद लाभ प्राप्त किया जा रहा है और उसका उपयोग क्षमताओं में सुधार के लिए किया गया है। यह भी देखा गया है कि घरेलू उद्योग को अच्छा नकद लाभ हो रहा है और उसके संघटकों में से एक के द्वारा शेयर धारकों को बोनस शेयर सहित लाभांशों का लगातार भुगतान किया जा रहा है। मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज के मामले में प्रति शेयर आय में प्रति वर्ष वृद्धि हो रही है। इससे प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति अच्छी है।

प्रति शेयर आय	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04**
एक्साइड इंडस्ट्रीज	रूपए	11.10	8.80	14.70	20.40
अमारा राजा	रूपए	19.64	16.00	6.50	1.22
सूचीबद्ध					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	79.28	132.43	183.78
अमारा राजा		100.00	81.47	33.10	6.21

** वार्षिक रिपोर्ट 2003-2004 के मुद्रण पर आधारित

45. वर्ष 2003-2004 के लिए मै0 एक्साइड की वार्षिक रिपोर्ट (इस अवधि का 3/4 वां भाग जांच अवधि है) यह दर्शाती है कि कंपनी द्वारा 1 : 1 के अनुपात में बोनस इश्यू दिए गए हैं और बोनस पश्चात् आधार पर शेयरों पर लाभांश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि मै0 एक्साइड के मामले में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान नकद लाभों में भी अत्यधिक सुधार हुआ है। बोनस पूर्व आधार पर जांच अवधि के लिए ई पी एस 19.40 प्रति शेयर (वार्षिकीकृत) परिकलित होता है। तथापि, मै0 अमारा राजा के मामले में जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता के आधार पर ई पी सी ऋणात्मक है।

रोजगार

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कर्मचारियों की संख्या में कमी करने सहित उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में वृद्धि करने के बाद घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग ने धावा किया है कि उत्पादकता में सुधार करने के लिए लागत में कटौती के उपाय के रूप में कर्मचारियों की संख्या में कमी की गई है। यह नोट किया जाता है कि रोजगार के स्तर में परिवर्तन से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।

कर्मचारी	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
एक्साइड इंडस्ट्रीज	संख्या	4,027	4,057	4,021	3,873
अमारा राजा	संख्या	1,216	1,348	1,329	1,283
कुल	संख्या	5,243	5,405	5,350	5,156
उत्पादकता					
प्रति कर्मचारी - मात्रा					
एक्साइड इंडस्ट्रीज	नग/कर्मचारी	1,791	1,883	2,399	2,216
अमारा राजा	नग/कर्मचारी	315	449	554	515
कुल	नग/कर्मचारी	1,448	1,525	1,940	1,793
सूचीबद्ध					
एक्साइड इंडस्ट्रीज		100.00	105.17	133.97	123.77
अमारा राजा		100.00	142.57	175.87	163.73
कुल		100.00	105.32	133.98	123.80

उत्पादकता

47. जैसा कि प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में दर्शाया गया है, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है। अतः यह नहीं कहा जा सकता है कि उत्पादकता में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

उत्पादकता	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
प्रति कर्मचारी - मात्रा					
एक्साइड इंडस्ट्रीज	नग/कर्मचारी	1,791	1,883	2,399	2,216
अमारा राजा	नग/कर्मचारी	315	449	554	515
कुल	नग/कर्मचारी	1,448	1,525	1,940	1,793

सूचीबद्ध					
एक्साइज इंडस्ट्रीज		100.00	105.17	133.97	123.77
अमारा राजा		100.00	142.57	175.87	163.73
कुल		100.00	105.32	133.98	123.80

मजदूरी

48. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के प्रति कर्मचारी मजदूरी एवं वेतन में वृद्धि हुई है। तथापि, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की मजदूरी में वृद्धि होने के बाद भी घरेलू उद्योग को उचित लाभ प्राप्त हो रहा है।

मजदूरी	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
सूचीबद्ध					
एक्साइज		100.00	107.51	118.20	131.90
अमारा राजा		100.00	130.49	147.42	151.34
कुल		100.00	110.51	122.02	134.44

नकद प्रवाह

49. यह देखा गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के दोनों संघटकों के प्रचालनों से नकद प्रवाह में सुधार हुआ है। मै0 अमारा राजा के मामले में नकद प्रवाह नकारात्मक की स्थिति से सकारात्मक हो गया है।

नकद प्रवाह	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि** (वार्षिकीकृत)
सूचीबद्ध					
एक्साइज		100.00	110.59	97.37	109.48
अमारा राजा		(100.00)	12351.34	9959.08	2824.66
कुल		100.00	129.88	112.94	114.02

** ये आंकड़े वर्ष 2003-2004 की वार्षिक रिपोर्ट से प्राप्त किए गए हैं।

छ. कारणात्मक संबंध

50. कारणात्मक संबंध के मुद्दे के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गयी है। घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति और घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति और पाटित आयातों के बीच कारणात्मक संबंध से संबंधित मुद्दों के बारे में एक विस्तृत जांच की गयी थी। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के पैराग्राफ (v) में यह उल्लेख है:

" उपर्युक्त पैराग्राफ (ii) और (iv) के अनुसार यह प्रदर्शित होना चाहिए कि पाटन के प्रभाव के जरिए पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का प्रदर्शन निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष संगत साक्ष्य की जांच के आधार पर होगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों जो उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं, से भिन्न किन्हीं अन्य ज्ञात कारकों की भी जांच करेंगे और इन अन्य कारकों द्वारा हुई क्षति का कारण पाटित आयात नहीं होने चाहिए। इस संबंध में अन्य बातों के साथ-साथ संगत कारकों में शामिल हैं पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत, मांग में कमी अथवा खपत के तरीकों में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा और व्यापार प्रतिबंधात्मक तरीके, प्रौद्योगिकी में विकास और घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और उत्पादकता।"

51. यह नोट किया जाता है कि मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जांच अवधि के दौरान वर्ष 2000-01 में 81.60% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 84.59% हो गया है। कीमत प्रभाव, कि क्या पाटित आयातों से भारत में समान उत्पाद की कीमतों में भारी कटौती हुई है, की जांच करते समय यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पहुँच मूल्य, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत की तुलना में अधिक है तथा उससे घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती नहीं हुई है। यह भी देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं का भारित औसत पहुँच मूल्य, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से भी अधिक है।

52. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से गैर-पाटित आयात कुल आयातों का लगभग 3.02% बनते हैं और पाटनरोधी शुल्क के अधीन सभी स्रोतों से आयात कुल आयातों का लगभग 44.87% बनते हैं। उन और पाटनरोधी शुल्क के अधीन सभी स्रोतों से आयात कुल आयातों का लगभग 44.87% बनते हैं। उन स्रोतों से आयातों का पहुँच मूल्य जिन पर पाटनरोधी शुल्क लग रहा है उन स्रोतों से आयातों के पहुँच मूल्य से काफी अधिक है जिन पर शुल्क नहीं लग रहा है। यह भी नोट किया जाता है कि चीन जनगणना, कोरिया गणराज्य, जापान और बांग्लादेश से लैड एसिड बैटरियों के आयातों जिनका सभी स्रोतों से आयातों में 41.85% हिस्सा बनता है, संबंधी समानांतर मध्यावधि समीक्षा जांच पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति की सिफारिश के साथ पूरी की गई है। यह भी पाया गया है कि उन अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमतों, जो 55.13% बनते हैं, का घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

53. घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तुओं का निर्यात जांच अवधि के दौरान भारी मात्रा में बढ़ा है। उक्त निर्यात लागत से कम कीमतों पर किए गए हैं। जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग बढ़ी है। इसमें

आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। संबद्ध वस्तु की मांग में ऐसी कोई कमी नहीं आई है जिससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति हो सकी हो।

54.. प्राधिकारी के समक्ष व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार अथवा प्रौद्योगिकी विकास जैसा कोई अन्य कारक नहीं लाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो सकती थी।

55. पाटित आयातों से इतर ज्ञात कारकों, जिनसे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुँच सकती थी, का यह जांच करने के लिए विश्लेषण किया गया था कि क्या घरेलू उद्योग के घटकों में से एक घटक को क्षति अन्य कारकों से हुई थी जिनके लिए आयात जिम्मेदार नहीं थे। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के घटकों में से एक घटक को हुई वास्तविक क्षति अन्य कारकों के कारण है।

56. घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, लाभ, नकद प्रवाह तथा उत्पादकता जैसे विभिन्न आर्थिक मानदण्डों में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में सुधार प्रदर्शित हुआ है। मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा भी बढ़ा है।

57. क्षति के अधिकाँश मापदंडों में पर्याप्त सुधार प्रदर्शित होता है जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के एक घटक की लाभप्रदता में काफी वृद्धि हुई है जबकि दूसरे के मामले में इसमें गिरावट आई है। तथापि इस बात पर विचार करते हुए कि यह गिरावट पाटनरोधी शुल्क के लागू होने के बाद आई है, यह स्पष्ट है कि लाभप्रदता में इस गिरावट के लिए पाटन को जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता है जबकि इसमें से एक घटक ने इसी अवधि के दौरान सर्वोत्तम कार्य निष्पादन हासिल किया है।

58. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के निरन्तर आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है। इस मध्यावधि समीक्षा में प्राधिकारी पाते हैं कि पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग के लिए निवल बिक्री प्राप्ति एवं प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत से अधिक है और यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकता है। प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है और मौजूदा पाटनरोधी उपायों को जारी रखना उचित नहीं हो सकता है। पाटन और क्षति की जांच से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से वर्तमान में कोई पाटन नहीं हुआ है और गैर-पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा शून्य है और आयातों का पहुँच मूल्य मूल जांच में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से अधिक है। इस स्थिति से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से पाटन की पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को क्षति होने की कोई सन्निकट संभावना नहीं है।

59. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देशों से पाटन अभी भी जारी है और इससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। घरेलू उद्योग ने आगे यह अनुरोध किया है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को हटाने से पाटन की पुनरावृत्ति हो सकती है और घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने सन्निकट क्षति होने की अपनी आशंका के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया

है जब संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन नकारात्मक था। क्षति के खतरे संबंधी पुख्ता साक्ष्य के अभाव में प्राधिकारी ने पाटनरोधी उपायों को जारी रखने की सिफारिश करना उचित नहीं पाया क्योंकि मौजूदा आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है। इसलिए प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि पाटनरोधी शुल्क को हटाने से घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है।

ज. अंतिम जांच परिणाम :

60. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात, प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि :-

(क) संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित लैड एसिड बैटरियों का भारत को निर्यात इनके सामान्य मूल्य से अधिक कीमत पर किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप कोई पाटन नहीं हुआ है;

(ख) संबद्ध वस्तुओं का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित निवल बिक्री प्राप्ति और क्षति रहित कीमत से अधिक है, इसलिए घरेलू उद्योग को आयातों के कारण वास्तविक क्षति नहीं हुई है;

(ग) और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग को क्षति और पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है।

(घ) उपर्युक्त के मद्देनजर निर्दिष्ट प्राधिकारी अधिसूचना सं० 59/1/2001-डीजीएडी दिनांक 31/01/2003 द्वारा पहले संस्तुत चीनी टाईपेई, हांगकांग और सिंगापुर के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (यथासंशोधित) के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं० 85071000 और 85072000 के अंतर्गत वर्गीकृत लैड एसिड बैटरियों के सभी आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति की सिफारिश करना उचित समझते हैं।

(ड.) इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (यथा संशोधित) के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th December, 2004

Final Findings**(Mid-term Review)**

Subject : Anti-Dumping (Mid-Term Review) investigations concerning imports of Lead Acid Batteries originating in or exported from Chinese Taipei, Hong Kong and Singapore.

No. 15/11/2004-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof:

A PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified final findings vide Notification No. 59/1/2001- DGAD dated 31/01/2003 recommending imposition of anti-dumping duties on all imports of lead acid batteries originating in or exported from Chinese Taipei, Hong Kong and Singapore.
 - ii) The Customs Tariff Act, 1975(as amended) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 made thereunder require the Authority to review from time to time, the need for the continued imposition of definitive anti dumping duty imposed by the Central Government. One of the importers of lead acid batteries M/s. Base corporation Limited vide letter dated 7th April, 2004 had requested for initiating a review of the recommendation made by the Authority vide Notification No. 59/1/2001- DGAD dated 31/01/2003, due to changed circumstances.
 - iii) Having decided to review these final findings, the Authority initiated the present investigations vide Notification No. 15/11/2004-DGAD dated 27th April 2004 to review the need for continued imposition of anti dumping duty on lead acid batteries from Chinese Taipei, Hong Kong and Singapore (hereinafter referred to as subject countries) in accordance with the Customs Tariff Act,1975(as amended) and the Customs Tariff

(Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995(hereinafter referred to as AD Rules). This review covers all aspects of Notification No. 59/1/2001- DGAD dated 59/01/2003.

iv) The Designated Authority sent a copy of the Initiation Notification to the embassies of the subject countries, the exporters, importers and the domestic industry as per the list available in the original Anti-dumping investigation and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation of this review investigation.

v) A request was made to the DGCI&S to make available details of imports of subject goods.

vi) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.

vii) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request.

viii) The Authority conducted verification of the information of the domestic industry in order to work out the optimum cost of production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP).

ix) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views verbally in the public hearing held on 3rd August 2004. All parties presenting their views verbally were requested to file written submissions of the views expressed verbally. The parties were also advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rejoinders, if any.

x) The views expressed by various interested parties in response to the initiation notification and subsequent to the public hearing are discussed in the relevant paragraphs herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in relevant paragraphs.

xi) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received have been duly considered in these findings.

xii) **** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the AD Rules.

xiii) Investigations were carried out for the period of investigation (POI) from 1st April 2003 to 31st December 2003 (9 months). However injury analysis have been carried out

for the years April 2000 – March 2001, April 2001 – March 2002, April 2002 – March 2003 and the period of investigation.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:

2. The product under consideration is "Lead Acid Batteries" falling under Chapter 85, Sub Heading 8507 of the Customs Tariff Acts as in the original investigation.

3. It is noted that the basic manufacturing process, the applications and overall use of the imported product and the product manufactured by the domestic industry are similar. There is a high degree of interchangeability and competition between the imported product and the product manufactured by the domestic industry. There are similarities in physical characteristics, production process, end use of the subject goods imported from the subject countries and those produced by the domestic industry.

4. The importer has argued that in the original investigation the product under consideration has been categorized under automotive, industrial and motorcycle batteries and in this investigation, the Authority has considered and provided a single dumping margin for all types of batteries. With reference to the argument of the importer, it is noted that the product under consideration is lead acid batteries, therefore, dumping margin has been determined for the same. However, dumping margins have arrived for the individual segments and then a single dumping margin has been derived for the product under consideration. The Authority notes that lead acid batteries produced by the domestic industry has been considered as Like Article to the product exported from subject countries within the meaning of Rule 2(d).

C. DOMESTIC INDUSTRY:

5. In the original investigation the application for anti dumping investigation was filed by M/s Exide Industries Ltd and M/s Amara Raja Batteries Ltd., on behalf of domestic industry. Subsequent to initiation, M/s Amco Batteries supported the application and provided the relevant information. In this mid-term review M/s. Exide Industries Ltd, and M/s. Amco Batteries Ltd. filed the costing and injury information. M/s. Amara Raja Batteries Ltd., submitted the costing and injury information after the time schedule but the similar information has been filed in another investigation for the same period of investigation for the same product.

6. The importer has submitted in the comments to the disclosure statement that M/s. Amara Raja Batteries Ltd., should not have been considered as a part of domestic industry as the costing / financial information was not filed in the time schedule and the same is not available in the public file. The Authority found to be appropriate to consider the information/data filed by M/s. Amara Raja Batteries Ltd., as part of the domestic industry in this investigation. It is noted that the non-confidential information concerning M/s. Amara Raja Batteries was made available in the public file. Since M/s. Amco Batteries did not file the complete information regarding costing and injury, it was not appropriate to consider it a part of domestic industry. In this mid-term review

investigation M/s. Exide Industry Ltd., and M/s. Amara Raja Batteries Ltd., have been considered as the domestic industry in terms of AD Rules.

7. M/s. Exide Industry Ltd. and M/s. Amara Raja Batteries Ltd. account for a major proportion of the domestic industry and have the standing in terms of the provisions of the AD Rules.

D. OTHER ISSUES

8. It has been argued by the domestic industry that the applicant has not brought sufficient grounds for initiation of this review. This review was initiated merely on a representation made by an importer of lead acid batteries from Singapore. The applicant had not given any positive information substantiating the need for review. The domestic industry further argued that as per Rule 23, the Designated Authority shall, from time to time, review the need for continued imposition of the anti dumping duty. The Rule requires that the Designated Authority shall recommend withdrawal of the anti dumping duty if it is satisfied that on the basis of information received, there is no justification for continued imposition of said duty. The applicant M/s. Base corporation Limited argued that the satisfaction referred to Rule 23 (1) does not apply for initiation a review and the Authority has correctly initiated the review under the AD Rule.

The Authority examined the arguments raised by the interested parties and notes that rule 23(1) contains two operative parts. The first part provides that the Designated Authority shall, from time to time, review the need for continued imposition of the anti-dumping duty. The second part provides that the Designated Authority shall, if it is satisfied on the basis of information received by it that there is no justification for the continued imposition of such duty recommend to the Central Government for its withdrawal or varied. Since the sufficient time has lapsed from the date of imposition of duties and information provided by the applicant regarding the change in the Customs duty structure on imports of lead acid batteries, it was found appropriate to initiate this mid-term review.

9. The domestic industry has submitted that the present mid-term review has been initiated at the instance of one of the importer namely M/s. Base Corporation Ltd., on the following grounds as, anti dumping duty in existence for almost two years, mid term review of anti-dumping investigation from other sources already initiated, landed value much higher than domestic prices and substantial fall in Custom Duty rates. It is noted that the information provided by the applicant was considered sufficient for initiating this mid term review.

10. The domestic industry has argued that an individual importer can request for an interim review only if it is shown that individual dumping or injury margin has decreased as compared to the results of the preceding investigation. It is noted that an importer is an interested party as per Rule 2(c)(i) and therefore is entitled to make a request for initiation of the mid term review.

11. The domestic industry argued that the initiation notice published by the Authority is defective as it did not contain necessary information as required to provide under rule 6(1) (i), (iii) and (iv) of the Anti-Dumping Rules, 1995. The applicant rebutted the argument of the domestic industry that there is no infirmity in the initiation notice published by the Authority, since the initiation notification covers the review of anti dumping duty of the original findings.

Regarding the 6(1)(i), it is noted that the reading of first paragraph with fourth paragraph of the initiation notice clearly indicates that this mid-term review relates to the anti-dumping duties imposed vide Customs Notification No.63/2003, dated 02/04/2003 which was issued pursuant to the final findings of the Authority in the anti-dumping investigation concerning import of lead acid batteries originating in or exported from Chinese Taipei, Hong Kong and Singapore. There is no ambiguity found in the initiation notice with regard to whether this investigation covers only one Country or all the three countries covered in the original investigation, as raised by domestic industry.

Rule 6(1)(iii) requires the Authority to provide information on the basis of which dumping is alleged in the application. It is argued by the domestic industry that there is no allegation of dumping by the importer (applicant). It is noted that the present request is only to review the need for continued imposition of the said duties in the original investigation, therefore, Rule 6(1)(iii) is not relevant in this investigation.

The domestic industry has argued that Rule 6(1)(iv) requires that the initiation notice shall contain a summary of allegation of injury. It is noted that the request by the applicant is only to review the existing duties, which may involve a review of the injury suffered by the domestic industry, therefore, Rule 6(1)(iv) is not relevant in this investigation.

12. The domestic industry in response to the disclosure statement has submitted that the appeal filed by M/s. CSB Battery Company Ltd., is pending before Hon'ble Customs, Excise Service Tax and Appellate Tribunal (CESTAT) and the matter was adjourned as sine-die. In this regard it is noted that the Hon'ble Tribunal has not put any bar in conducting mid-term review by the Designated Authority as per the provisions of AD Rules.

D. METHODOLOGY FOR CALCULATION OF DUMPING MARGIN:

13. The domestic industry has submitted in response to the disclosure statement that the detailed calculation or information has not been provided with regard determination of dumping margin. It is noted that dumping margin has been determined on facts available as per Rule 6(8) of AD Rules as none of the exporters have filed information either regarding export price or normal value. The export price has been determined on data made available by DGCI&S Kolkata and normal value has been constructed on the basis of facts available as per Rule 6(8) of AD Rules.

CHINESE TAIPEI**NORMAL VALUE**

14. M/s. Pilot Battery Co. Ltd. has filed the incomplete submission and stated that they have not exported the subject goods during the period of investigation. The exporter has not filed the information regarding cost of production, domestic sales and other details in the exporter questionnaire required for the determination of dumping margin. Since none of the exporters/producers has fully cooperated from Chinese Taipei, the normal value has been constructed as US\$ ****/Kg. for all producers/exporters from Chinese Taipei as per rule 6(8) of AD Rules.

EXPORT PRICE

15. Dumping margin cannot be determined separately for M/s. Pilot Battery Co. in absence of their export price. DGCI& S import statistics is showing imports of 12395 pcs. of subject goods during the POI (annualized). The export price is determined on the basis of the weighted average export price made available by DGCI&S Kolkata. To arrive at ex-factory export price adjustments have been considered as per facts available. The ex-factory export price is determined as US\$ ****/Kg for all exporters/producers from Chinese Taipei.

SINGAPORE**NORMAL VALUE**

16. M/s. CSB Battery, Singapore Pvt. Ltd. has stated that they have not exported the subject goods during period of investigation except the supplies of subject goods to M/s. APC Corporation against advance license, which do not attract any anti dumping duty, since the goods do not enter the mainstream commerce of India. They have further submitted that supplies were made to Electronic Hardware Technology Park (EHTP) units against advance license, therefore, such supplies made to EOU's or against advance licenses are exempted from the payment of anti-dumping duties. They did not file the response in the exporters questionnaire. Since none of the exporters/producers has cooperated from Singapore, the normal value has been constructed as US\$ ****/Kg as per Rule 6 (8) of AD Rules.

EXPORT PRICE

17. DGCI& S import statistics is showing imports of 47492 pcs. of subject goods during the POI (annualized). The export price is determined on the basis of the weighted average export price made available by DGCI&S Kolkata. To arrive at ex-factory export price adjustments have been considered as per facts available. The ex-factory export price is determined as US\$ ****/Kg for all exporters/producers from Singapore.

HONG KONG**NORMAL VALUE**

18. The Trade and Industry Department of the Government of Hong Kong, Special Administrative Region in response to the initiation of the mid-term review has stated that there are no exports of lead acid batteries since 1999. None of the exporters / producers have filed response in this investigation. Since none of the exporters/producers from Hong Kong has co-operated in the investigation, the normal value has been constructed as US\$ ****/Kg for all exporters/producers from Hong Kong as per Rule 6 (8) of AD Rules.

EXPORT PRICE

19. However, from the import statistics of DGCI&S Kolkata, it was found that Hong Kong has exported lead acid batteries during the POI. The export price is determined on the basis of the weighted average export price made available by DGCI&S Kolkata. To arrive at ex-factory export price adjustments have been considered as facts available. The ex-factory export price is determined as US\$ ****/Kg for all exporters/producers from Hong Kong.

DUMPING- MARGIN

20. Based on the normal value and export price as determined above, the Authority determined the dumping margin as under:

Country	Exporters/Producers	Ex-factory normal value (US\$/Kg.)	Ex-factory export price (US\$/Kg.)	Dumping Margin(%)
Chinese Taipei	All exporters/producers	****	****	- Ve
Singapore	All exporters/producers	****	****	- Ve
Hong Kong	All exporters/producers	****	****	- Ve

The examination of dumping indicates that there is no current dumping from the subject countries. It is also noted that the volume of dumped imports is nil from the subject countries and the landed value of imports are above the anti dumping duty levied in the original investigation. This position indicates that there is no imminent likelihood of recurrence of dumping from subject countries.

E. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

INJURY AND CAUSAL LINK:

21. The views of domestic industry are summarized below:-

- i) Imports from the subject countries have declined as a result of imposition of anti dumping duty. Significant decline in import volumes implies that there is no way the foreign producers can export except by resorting to dumping practices. This implies that revocation of anti dumping duty would result in recurrence of injury to the domestic industry.
- ii) Production and sales of the domestic industry have increased. The increase in production is due to (a) imposition of anti dumping duty on dumped imports in the Country, and (b) significant increase in demand of the product in the Country.
- iii) Domestic industry has enhanced its capacities in anticipation of boom in the automobile sector and significant increase in industrial segment.
- iv) Stocks have increased due to higher increase in production than sales volumes. Sales volumes of the domestic industry were lower than production volumes due to continued availability of dumped imports.
- v) The domestic industry has trimmed its manpower and increased its productivity. Even though total wages paid by the domestic industry increased, wage per battery or wage per kg. of battery production declined. Thus, the domestic industry has been able to curtail the effect of wage increase through increase in production.
- vi) The landed price of imports from the subject countries continues to be lower than net sales realization of the domestic industry. The landed price of imports is significantly below the selling prices of the domestic industry. Thus, imports continue to undercut the prices of the domestic industry in the market.
- vii) Imposition of anti dumping duty has helped the industry in improving its profits. At the same time, the domestic industry undertook financial restructuring, supported with the anti dumping duty imposed by the Govt. of India. Resultantly, the profits of the domestic industry have increased. The increase in profitability is largely due to financial restructuring and due to imposition of anti dumping duty.
- viii) Cash flow of the domestic industry has remained more or less static. Cash profits of the domestic industry increased. This helped the domestic industry in improving its profits further. The domestic industry has been able to improve its profits due to imposition of anti dumping duty, return on investments earned by them have remained sub-optimal.

- ix) The foreign producers are holding significant capacities. The relevant information is already on record in view of original investigations. It is thus imminent that there would be significant increase in imports should the present duties be withdrawn at this stage.
- x) Domestic Industry submits that the imports are already undercutting the prices of the domestic industry to a very significant extent. If the present duties be revoked, the extent of price undercutting would further increase, which would most likely result in further increased imports. Further, the performance of the domestic industry was already adverse during the period under investigation and it is likely that without anti dumping measures in place considerable increased volumes of the product concerned would be shipped in the Indian market at very low prices, further worsening the situation of the domestic industry.
- xi) The Domestic Industry submits that the production capacity in subject countries for the product under consideration are significantly higher than demand in their respective countries which implies if the anti-dumping duty on subject countries is revoked, large shipments are imminent. If the current measure is allowed to lapse, there will be a threat that a significant proportion of unused production capability would be used to flood the Indian market at the dumped prices.
- xii) Removal of present anti dumping duty would cause a price depression on the Indian market, as the domestic industry has no other option but to maintain its market share rather than reduce its production i.e. sale prices would have to be benchmarked to the imports. This would in turn further erode the profitability of the domestic industry.

F.2 VIEWS OF THE EXPORTERS AND IMPORTERS

22. The exporters and importers have submitted that the performance of M/s. Exide Industries has improved on all factors of injury. The domestic industry is selling subject goods at much lower price than the landed value from the subject countries. This clearly shows that the domestic industry was not only able to absorb the increase in costs of subject goods but was also able to earn huge profits to the tune of 13% on its cost of sales during the period of investigation as compared to its profitability at 5.39% in the previous year 2000-01. The interested parties submit that domestic industry is not suffering any kind of injury nor the injury to the domestic industry is likely to recur in case the anti-dumping duties are withdrawn.
23. They have further argued that the anti-dumping investigation is a time bound activity and each party is required to submit its information within the time schedule. It may further be noted that if an exporter fails to give its information within the time allowed, it is treated as non-cooperative whereas there are no time limits prescribed for the domestic industry for submission of its information. The Designated Authority has not been supplied with sufficient facts by the "domestic industry" to carry out any meaningful investigation/analysis and to arrive at appropriate findings in the matter. It is

submitted since the domestic industry has clearly failed to cooperate and has not shown any interest in the matter, the anti-dumping duties should be discontinued on this ground .

24. M/s Exide Industries themselves stated that it has earned profits only due to restructurings of its operation. This clearly shows that the anti-dumping duty imposed is serving no purpose in helping the domestic industry and the domestic industry failed to increase its prices up to the ought to be the price. When the domestic industry failed to increase its selling prices up to the ought to be the price and its profitability is due to restructuring of its operation , the statement of domestic industry that anti-dumping duties are insufficient to cure injury, the exporters should not be put to a disadvantage and fair competition is required to be restored by immediately scrapping the anti-dumping duties at once so that no injustice is caused to the interests of the exporters and other interested parties.

25. The domestic producers have failed to substantiate their claims with evidence and made only bare statements such as (i) imports from subject countries would increase, (ii) price undercutting would increase, (iii) additional capacity are available in subject countries etc.

F.3 EXAMINATION OF AUTHORITY

Cumulative assessment of injury:

26. As per annexure-II (iii) of Anti Dumping Rules, in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article --- and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has found that the margin of dumping in respect of subject countries is negative. The volume of imports from these subject countries collectively are 3.02% of total imports.

27. On examination of information, the Authority finds that the prices of the subject goods coming from different sources are almost comparable and do not vary significantly. These have been imported under the same tariff classification. The user industry for the imported product and the domestic product is the same. The channels of imports are also found to be similar. The Authority did not find it appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article as the margin of dumping is negative from subject countries. However injury parameters and performance of the domestic industry have been examined.

28. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that:

"A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products."

As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilisation of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

Volume and market share of imports

29. The imports from subject countries has decreased in absolute terms during the period of investigation. In terms of market share in imports, the share of subject countries in this investigation has decreased from 30.61% during 2000-2001 to 3.02% during the POI which was coming at undumped prices during the POI, not causing injury to the domestic industry. Another mid-term review investigation concerning imports of lead acid batteries originating in or exported from China PR, Korea RP, Japan and Bangladesh has been concluded having the same period of investigation. The market share in import from these countries has also decreased from 59.62% during 2000-2001 to 41.85% during the POI.

	2000-2001		2001-2002		2002-2003		POI(Annualised)	
	Volume Pcs.	Value Rs./Lacs	Volume Pcs.	Value Rs./Lacs	Volume Pcs.	Value Rs./Lacs	Volume Pcs.	Value Rs./Lacs
Chinese Taipei	606559	1893.26	704986	2767.91	58218	248.18	12395	80.72
Singapore	253371	707.47	6410	104.59	136828	384.95	47492	222.39
Hong Kong	193100	247.98	57996	44.89	104059	231.24	38624	35.61
Subject countries	1053030	2848.71	769392	2917.39	299105	864.37	98511	338.72
Subject countries in other investigation	2051156	5012.55	1733000	4083.52	2134905	5985.99	1365059	3939.47
Other countries	336477	991.66	285226	1302.61	460111	2507.23	1797973	5861.03
Market share in imports (%)								
Subject countries	30.61	32.18	27.60	35.13	10.33	9.24	3.02	3.34
Subject countries in other	59.62	56.62	62.17	49.18	73.77	63.97	41.85	38.86

investigation								
Other countries	9.78	11.20	10.23	15.69	15.90	26.79	55.13	57.81

Actual and potential decline in sales

30. The sales of domestic industry has increased from 7,660,033 pcs. to 12,854,661 pcs. during the POI as compared to the base year. The sales in volume terms of the domestic industry has increased by 67.81 % and in value terms by 21.60%. Both sales quantity and sales value have shown a steady increase.

Sales	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI (Annualised)
Quantity					
Exide Industries	Pcs.	7,281,880	7,661,878	9,303,057	11969135
Amara Raja	Pcs.	378,153	580,369	709,957	885527
Total	Pcs.	7,660,033	8,242,247	10,013,014	12,854,661
Indexed					
Exide Industries		100.00	105.22	127.76	164.37
Amara Raja		100.00	153.47	187.74	234.17
Total		100.00	107.60	130.72	167.81
Value					
Indexed					
Exide Industries		100.00	101.08	112.72	121.31
Amara Raja		100.00	120.54	127.63	123.43
Total		100.00	103.79	114.79	121.60

Production & Capacity Utilisation

31. The installed capacity of the domestic industry has increased since 2000-2001 by 49.48% during POI. Both the constituents of the domestic industry have increased their installed capacity. The production of the domestic industry has also increased during the same period by 62.33%. As regards the capacity utilisation, the domestic industry is able to utilise its capacity to the extent of 87.54% during the POI compared to the base year of 80.61%.

	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI (Annualised)
Installed Capacity					
Exide Industries	Pcs.	8,845,115	9,376,714	10,494,928	12955772
Amara Raja	Pcs.	575,000	725,000	1,125,000	1125000
Total	Pcs.	9,420,115	10,101,714	11,619,928	14,080,772
Indexed					

Exide Industries		100.00	106.01	118.65	146.47
Amara Raja		100.00	126.09	195.65	195.65
Total		100.00	107.24	123.35	149.48
Production					
Exide Industries	Pcs.	7,210,882	7,639,999	9,645,858	11444841
Amara Raja	Pcs.	382,774	604,949	735,754	881649
Total	Pcs.	7,593,656	8,244,948	10,381,612	12,326,491
Indexed					
Exide Industries		100.00	105.95	133.77	158.72
Amara Raja		100.00	158.04	192.22	230.33
Total		100.00	108.58	136.71	162.33
Capacity Utilization					
Exide Industries	%	81.52	81.48	91.91	88.34
Amara Raja	%	66.57	83.44	65.40	78.37
Total	%	80.61	81.62	89.34	87.54

Growth

32. The sales volume of the domestic industry has increased by 67.81 % during the POI as compared to the base year. During the same period the production of the domestic industry has increased by 62.33%. The share of imports from the subject countries has decreased in a situation where the domestic demand has increased substantially.

Sales	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI (Annualised)
Quantity					
Exide Industries	Pcs.	7,281,880	7,661,878	9,303,057	11969135
Amara Raja	Pcs.	378,153	580,369	709,957	885527
Total	Pcs.	7,660,033	8,242,247	10,013,014	12,854,661
Indexed					
Exide Industries		100.00	105.22	127.76	164.37
Amara Raja		100.00	153.47	187.74	234.17
Total		100.00	107.60	130.72	167.81
Value					
Indexed					
Exide Industries		100.00	101.08	112.72	121.31
Amara Raja		100.00	120.54	127.63	123.43
Total		100.00	103.79	114.79	121.60
Profit before Interest					
Indexed					
Exide Industries		100.00	91.17	119.72	126.34
Amara Raja		100.00	105.57	50.34	(1.40)
Total		100.00	94.02	106.00	101.49

Price undercutting

33. The Authority notes that the landed value of imports from the subject countries is higher than the net sales realization of the domestic industry for the subject goods during the POI thereby not undercutting the selling price of the domestic industry. The undercutting margin was within a range of -35 % to -115 % during the POI.

Price Underselling

34. Price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producers by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. In order to eliminate inefficiencies, capacity utilisation has been normated .

35. The analysis shows that the weighted average landed value of the subject goods from subject countries is above the non injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation. The underselling margin was within a range of -39% to- 112% during the POI.

Factors affecting domestic prices

36. The Authority noted that the selling prices of the domestic industry are linked to the raw material cost and prices of the subject goods from different countries. The domestic industry has increased its productivity and the landed value is above the domestic selling prices. It is noted that the selling price is not suppressed due to imports from subject countries.

Magnitude of margin of dumping

37. It is noted that the magnitude of margin of dumping of subject goods from subject countries is negative.

Evidence of lost contracts

38. The domestic industry did not produce any evidence regarding loss of order or contract due to imports of subject goods from subject countries.

Inventory

39. It has been observed that the inventory of the domestic industry has increased during the POI in absolute numbers and value. However, in terms of months' sales, quantity and value, has remained almost static during the POI as compared to the base year.

Inventories	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI (Annualised)
Quantity					
Exide Industries	Pcs.	413,959	377,599	720,400	588,667
Amara Raja	Pcs.	8,858	33,438	59,235	71190
Total	Pcs.	422,817	411,037	779,635	588,667
Indexed					
Exide Industries		100.00	91.22	174.03	142.20
Amara Raja		100.00	377.49	668.72	803.68
Total		100.00	97.21	184.39	156.06
Value					
Indexed					
Exide Industries		100.00	115.91	126.08	110.74
Amara Raja		100.00	383.58	664.05	515.62
Total		100.00	122.35	139.03	120.49
Inventory as months sales qty					
Exide Industries		0.682	0.591	0.929	0.590
Amara Raja		0.281	0.691	1.001	0.965
Total		0.662	0.598	0.934	0.616
Inventory as months sales value					
Exide Industries		0.76	0.88	0.85	0.70
Amara Raja		0.12	0.37	0.61	0.49
Total		0.67	0.79	0.82	0.67

Return on Investment and ability to raise capital

40. M/s. Exide Industries, which constitutes the major proportion of the domestic industry has been consistently improving its profitability and during the POI it has achieved the best of its performance in the past 10 years. The company has achieved a Return on Capital Employed (ROCE) of about 20.41% during the POI as compared to 13.82% during the base year. M/s Amara Raja has shown a different trend as compared to M/s Exide Industries. M/s Amara Raja has achieved a negative ROCE during the POI against an ROCE of 15.37% during the base year. This fall in the profitability of M/s Amara Raja, inspite of increase in production and sales, is mainly due to the following reasons as explained in their Annual Report for the year 2003-04 which covers the POI :

- i) "The company faced intense competition in Telecom batteries and the year witnessed realisations going down to unprecedented levels – levels that could have driven

any other Company to serious hardships. As a strategy we decided to stay out of non-remunerative business and focus on customer relationships, customer satisfaction and building good quality batteries – things, which should see us win in the long run.

ii) Automotive battery volumes continued to grow. We have been successful in strengthening our OE and private label relationships. We are further strengthening our aftermarket network and are complementing the efforts of our channel partners with on-the-ground promotions and schemes, which should establish closer touch with end customers.

iii) Our export revenues grew 147% over the previous year. We continue to invest in exploring new markets and establishing new relationships. We expect the efforts of the company to bear fruit in the coming years."

41. It has been observed that the company was selling huge quantities of industrial batteries to the Telecom Sector. During the period of investigation the demand for the batteries in the Telecom Industry has gone down and witnessed a reduction in the price of batteries to all time lows which was aggravated by the excess capacity in the battery industry. It has further been explained by the company in its Annual Report that the impact of lower volumes combined with reduction in realisations affected both sales and profitability. During the course of verification domestic industry has stated that the batteries for Telecom Sector are not imported. Accordingly it cannot said that the decline in profitability of one of the constituents of the domestic industry, in contrast to the other constituents, is due to imports from subject countries.

42. It is further observed that M/s Amara Raja has increased its market in automotive OE segment during the period of investigation. This has further deteriorated its profitability as the company is incurring losses in the OE segment. During the course of verification it was clarified by the domestic industry that the imported lead acid batteries are not catering the OE segment.

Return on Investment	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI (Annualised)
Return on Capital Employed					
Exide Industries	%	13.82	13.56	18.84	20.46
Amara Raja	%	15.37	16.56	6.91	(0.18)
Total	%	14.10	14.13	16.21	15.56

Profitability

43. In tune with the increase in production and sales both in value and quantity, the profitability of the domestic industry has shown improvement. It is seen that the profitability of one of the constituents of the domestic industry has shown significant increase whereas there is a decline for the other. However, considering the decline subsequent to the imposition of anti-dumping duty, it is clear that the decline cannot be attributed to the dumping but to other reasons especially when the other constituents of

the domestic industry has achieved its best performance during the same period. The domestic industry has argued that segment wise examination on the profitability has not been carried out in this investigation. It is noted that the product under consideration in this investigation is lead acid batteries and the injury trend of the domestic industry has been carried out with respect to the same.

Earning per Share

44. Both the constituents of the domestic industry have been regularly enhancing their capacities to meet the increasing demand in the domestic market. It has been claimed by M/s Exide Industries that they are facing difficulties in raising money from the market. However no concrete evidence to justify the same have been placed before the Authority. Both the companies are generating good cash profits and the same have been utilised for enhancing capacities. It has also been observed that the domestic industry is generating good cash profits and one of its constituent is regularly paying dividends including bonus shares to the shareholders. The earning per share in case of M/s Exide Industries is increasing every year. This shows that the domestic industry is enjoying good financial position.

Earning per Share	Unit	2000-01	2001-02	2002-03**	2003-04
Exide Industries	Rs	11.10	8.80	14.70	20.40
Amara Raja	Rs	19.64	16.00	6.50	1.22
Indexed					
Exide Industries		100.00	79.28	132.43	183.78
Amara Raja		100.00	81.47	33.10	6.21

** Based on printing Annual Report for 2003-2004.

45. The annual report of M/s. Exide for the year 2003-04 (¾th of this period represents period of investigation) reveals that the company has give bonus issue of 1:1 and has given dividend on shares on post bonus basis. In addition it is important to mention the cash profits during the period of investigation has also improved substantially in case of M/s Exide as compared to the base year. The EPS for the period of investigation on pre bonus basis works out to 19.40 per share (annualized). However, in case of M/s Amara Raja the EPS based on profitability during the period of investigation is negative.

Employment

46. The domestic industry has improved its productivity after curtailing the number of employees alongwith increase in production and capacity utilisation. The domestic industry has claimed that the number of employees have been reduced as a cost cutting measure to improve the productivity. It is noted that change in level of employment has not caused any injury to the domestic industry.

Employees	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI (Annualised)
Exide Industries	Nos.	4,027	4,057	4,021	3,873
Amara Raja	Nos.	1,216	1,348	1,329	1,283
Total	Nos.	5,243	5,405	5,350	5,156
Productivity					
Per Employee - Qty					
Exide Industries	Pcs./Employee	1,791	1,883	2,399	2,216
Amara Raja	Pcs./Employee	315	449	554	515
Total	Pcs./Employee	1,448	1,525	1,940	1,793
Indexed					
Exide Industries		100.00	105.17	133.97	123.77
Amara Raja		100.00	142.57	175.87	163.73
Total		100.00	105.32	133.98	123.80

Productivity

47. Productivity of the domestic industry, as reflected in terms of production per employee, has improved during the POI. It can not, therefore, be said that the domestic industry has suffered injury due to decline in productivity.

Productivity	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI (Annualised)
Per Employee - Qty					
Exide Industries	Pcs./Employee	1,791	1,883	2,399	2,216
Amara Raja	Pcs./Employee	315	449	554	515
Total	Pcs./Employee	1,448	1,525	1,940	1,793
Indexed					
Exide Industries		100.00	105.17	133.97	123.77
Amara Raja		100.00	142.57	175.87	163.73
Total		100.00	105.32	133.98	123.80

Wages

48. The Wages and salary per employee of the domestic industry has increased during the period of investigation. However, it is observed that the domestic industry is earning a reasonable profit even after the increase in wages of the domestic industry.

Wages	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI (Annualised)
Indexed					
Exide		100.00	107.51	118.20	131.90
Amara Raja		100.00	130.49	147.42	151.34
Total		100.00	110.51	122.02	134.44

Cash Flow

49. It has been observed that both the constituents of the domestic industry have improved their cash flow from operations during the POI as compared to the base year. In case of M/s Amara Raja the cash flow has become positive from a situation of negative cash flow.

Cash Flow		2000-01	2001-02	2002-03	POI (Annualised)
Indexed					
Exide		100.00	110.59	97.37	109.48
Amara Raja		(100.00)	12351.34	9959.08	2824.66
Total		100.00	129.88	112.94	114.02

** These figures have been obtained from Annual Reports for the year 2003-2004.

G. CAUSAL LINK:

50. The submissions made by interested parties in respect of the issue of causal link have been examined. A detailed examination was made with regards to the issues pertaining to the material injury to the domestic industry and causal link between the material injury to the domestic industry and dumped imports. Paragraph (v) of Annexure II of the Anti-dumping Rules reads as under:

"It must be demonstrated that the dumped imports are, through the effects of dumping, as set forth in paragraphs (ii) and (iv) above, causing injury to the domestic industry. The demonstration of a causal relationship between the dumped imports and the injury to the domestic industry shall be based on an examination of relevant evidence before the designated authority. The designated authority shall also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, and the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry."

51. It is noted that market share of the domestic industry has increased in demand during the period of investigation from 81.60% in 2000-01 to 84.59% during the period of investigation. In examining the price effect whether the dumped imports have significantly undercut the price of the like product in India, it is noted that the landed value of the subject goods from the subject countries is higher than the net selling price of the domestic industry thereby not undercutting the selling price of the domestic industry. It is also observed that the weighted average landed value of the subject goods is also above the non injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation.

52. It is noted that the undumped imports from subject countries constitute about 3.02% of total imports and imports from all sources subject to anti-dumping duty constitute about 44.87% of the total imports. The landed value of imports from the sources attracting anti-dumping duty is much above the landed value of imports from sources not attracting duty. It is also noted that a parallel mid term review investigation on imports of lead acid batteries from China PR, Korea RP, Japan and Bangladesh which accounts for 41.85% of imports from all sources has been concluded with the recommendation of discontinuance of anti dumping duty. It is also found that volume and prices of imports from other sources which constitutes 55.13% may have adverse affect on domestic prices of the domestic industry.

53. The exports of subject goods by the domestic industry have increased substantially during the period of investigation. The same has been carried out at prices lower than the cost. Demand of subject goods has increased during the POI. It has increased during the POI as compared to the base year. There is no contraction of demand of the subject goods that could have contributed to any injury to the domestic industry.

54. There is no other factor such as trade restrictive practice or development in technology brought before the Authority which could have caused material injury to the domestic industry.

55. The known factors other than dumped imports, which could at the same time, have injured the domestic industry, were analyzed to examine whether injury to one of the constituents of the domestic industry was caused by other factors not attributed to the imports. It is noted that the material injury suffered by one of the constituents of the domestic industry is due to the other factors.

56. The domestic industry has shown improvement in various economic parameters like sales, production, capacity utilization, profits, cash flow and productivity during the POI as compared with the base year. The market share of domestic industry in demand has also increased.

57. Most of the parameters for injury show significant improvement leading to the conclusion that there is no material injury to the domestic industry due to imports from subject countries. It is seen that the profitability of one of the constituents of the domestic industry has shown significant increase whereas there is a decline for the other. However, considering that the decline is subsequent to the imposition of anti-dumping duty, it is clear that this decline cannot be attributed to the dumping when one of the constituents has achieved its best performance during the same period.

58. It is observed that as a result of continued imports of subject goods from the subject countries, the domestic industry has not suffered material injury. In this mid-term review the Authority has found that the landed value is above the net sales realisation and non injurious price determined by the Authority for the domestic industry, cannot be a cause of injury to the domestic industry. The Authority is of the view that

domestic industry is not suffering any injury due to imports from subject countries and it may not be appropriate to continue with the existing anti dumping measures. The examination of dumping and injury indicates that there is no current dumping from the subject countries and injury to the domestic industry due to undumped imports. It is also noted that the volume of dumped imports is nil from the subject countries and the landed value of imports are above the anti dumping duty levied in the original investigation. This position indicates that there is no imminent likelihood of recurrence of dumping from subject countries and likelihood of injury to the domestic industry.

59. The domestic industry argued that dumping is still continuing from the subject countries and causing injury to the domestic industry. The domestic industry has further submitted that withdrawal of existing anti-dumping duty may likely to lead a recurrence of dumping and injury to the domestic industry. It is noted that the domestic industry did not substantiate with evidence in support of its apprehension of imminent injury when the dumping margin was negative from subject countries. In the absence of substantiated evidence regarding threat of injury, the Authority did not find appropriate to recommend continuation of anti-dumping measures as current imports are not causing injury to the domestic industry. The Authority, therefore concludes that the discontinuation of the anti dumping duty is not likely to lead to recurrence of injury to the domestic industry.

H. **FINAL FINDINGS:**

60. The Authority after considering the foregoing, concludes that:

- (a) lead acid batteries originating in or exported from subject countries have been exported to India above normal value, resulting in no dumping;
- (b) the landed value of the subject goods is above the net sales realisation and non injurious price determined for the domestic industry, therefore, the domestic industry has not suffered material injury due to imports;
- (c) and discontinuation of anti-dumping duties on the subject goods from subject countries is not likely to lead to the recurrence of injury and dumping to the domestic industry;
- (d) In view of the above, the Designated Authority considers it appropriate to recommend discontinuation of the anti-dumping duties recommended earlier vide Notification No. 59/1/2001- DGAD dated 31/01/2003 and imposed on all imports of lead acid batteries classified under Customs Sub headings nos. 85071000 and 85072000 of the Customs Tariff Act, 1975 (as amended) originating in or exported from Chinese Taipei, Hong Kong and Singapore .
- (e) An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 (as amended).

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority